बीएचईएल – एक झलक

बीएचईएल आज भारत में ऊर्जा संबंधित/इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में प्रमुख इंजीनियरिंग व विनिर्माण उद्यम है। बीएचईएल की स्थापना हुए 40 वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, जब इसका पहला प्लांट भोपाल में स्थापित किया गया और भारत में भारी विद्युत उपस्कर उद्योग का प्रादुर्भाव हुआ, जो कल्पना से अधिक था और निष्पादन का एक शानदार ट्रैक रिकार्ड भी बनाया। कम्पनी 1971–72 से निरन्तर लाभ अर्जित कर रही है । कम्पनी ने 2005–2006 में 14,525 करोड़ रुपये की बिक्री की और 2,564 करोड़ रुपये का कर–पूर्व लाभ कमाया। बीएचईएल पिछले 2 5 वर्षों से लाभांश प्रदान कर रहा है और उत्कृष्ट निष्पादन के पश्चात वित्तीय वर्ष 2005–06 के दौरान अब तक का सर्वाधिक 145% का लाभांश प्रदान किया ।

बीएचईएल भारतीय अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्रों, जैसे, पावर जेनरेशन एवं ट्राँसमिशन, उद्योग, परिवहन, नवीकरण योग्य ऊर्जा, रक्षा इत्यादि की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। बीएचईएल के 14 विनिर्माण प्रभागों, पावर क्षेत्र के चार क्षेत्रीय केन्द्रों, सम्पूर्ण देश में फैले परियोजना स्थलों, आठ सेवा केन्द्रों एवं 1 5 क्षेत्रीय कार्यालयों का व्यापक नेटवर्क, कम्पनी को अपने ग्राहकों को तत्काल सेवा प्रदान करने और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक कीमतों पर उपयुक्त उत्पाद, दक्ष पद्धतियां और सेवायें उपलब्ध कराने में समर्थ बनाता है।

बीएचईएल पहले ही आईएसओ–9000 प्रमाण–पत्र प्राप्त कर चुकी है और इसकी सभी बड़ी यूनिटें/डिविजन गुणवत्ता प्रबन्धन के लिये उन्नयन कर आईएसओ–9001:2000 का नवीनतम संस्करण क्वालिटी स्टैंडर्ड सर्टिफिकेशन प्राप्त कर चुकी हैं। बीएचईएल की सभी बड़ी यूनिटें/डिविज़न पर्यावरण प्रबन्धन हेतु आईएसओ 14001 और व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रबन्धन प्रणाली हेतु ओएचएसएएस 18001 प्रमाण–पत्र प्राप्त कर चुकी हैं।

पावर जेनरेशन

पावर जेनरेशन क्षेत्र में थर्मल, गैस, हाइड्रो और न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों का व्यापार शामिल हैं। 31 मार्च, 2006 तक बीएचईएल द्वारा सप्लाई किए गए सेट 76,741 मेगावाट अथवा देश की कुल संस्थापित क्षमता 1,18,561 मेगावाट के लगभग 65% का उत्पादन कर रहें हैं, जो 1969–70 तक शून्य था।

बीएचईएल ने विद्युत परियोजनाओं की संकल्पना से लेकर चालू करने तक के निष्पादन की टर्न–की क्षमता सिद्ध की है। इसके पास 1000 मेगावाट यूनिट रेटिंग तक के सुपर क्रिटीकल पैरामीटर वाले थर्मल पावर प्लांट इक्विपमेंट और 250 मेगावाट यूनिट रेटिंग वाले गैस टरबाइन जेनरेटर सेट निर्मित करने की प्रौद्योगिकी और क्षमता है। उच्च संयंत्र दक्षता प्राप्त करने के लिए को–जेनरेशन प्लांट और कम्बाइन्ड–साइकिल प्लांट भी निर्मित किए गए हैं। भारत में उपलब्ध अधिक राख अंश वाले कोयले का सफल उपयोग करने के लिए बीएचईएल थर्मल और कम्बाइन्ड साइकिल पावर प्लांट दोनों के लिये सर्कुलेटिंग फल्यूडाइज्जड बेड कम्बश्चन बॉयलर की आपूर्ति करती है।

कम्पनी 220 / 235 / 500 / 540 मेगावाट के न्यूक्लियर टरबाइन जेनरेटर सेटों का विनिर्माण करती है।

बीएचईएल ने विभिन्न हेड डिस्चार्ज कॉम्बीनेशनों के लिए फ्रान्सिस, पेल्टन तथा कॅप्लान टाईप के, हाइड्रो सेटों की इंजीनियरिंग और विनिर्माण भी किया है। आज तक थर्मल, हाइड्रो, गैस और न्यूक्लियर सेटों के कुल मिला कर 880 से अधिक ऑर्डर कम्पनी ने प्राप्त किए हैं। बीएचईएल द्वारा विनिर्मित पावर प्लांट इक्विपमेंट, अद्यतन प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, जो विश्व के सबसे उत्तम पावर प्लांट इक्विपमेंटों के अनुरूप और अंतराष्ट्रीय स्तर के हैं।

कम्पनी ने प्लांटों के शेष कार्यकाल के निर्धारण, कार्य क्षमता एवं इनकी कार्यकाल अवधि बढ़ाने संबंधी विशेषज्ञता के अलावा, विभिन्न प्रकार के पावर प्लांट इक्विपमेंटों के नवीकरण, आधुनिकीकरण में अपनी दक्षता प्रमाणित की है।

उद्योग

बीएचईएल सीमेंट, उर्वरक, तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स, कागज, मेटालर्जीकल, खनन आदि जैस विद्युत युटीलिटिज़ से भिन्न अनेक उद्योगों को कैप्टिव पावर प्लांट , सेन्ट्रीफ्युगल कम्प्रेशर, ड्राइव टरबाइन्स, इंडस्ट्रियल बॉयलर और सहायक उपकरण, वेस्ट हीट रिकवरी बॉयलर, गैस टरबाइन, पम्प, हीट एक्सचेंजर , इलेक्ट्रिकल मशीनें, वॉल्व्ज़, हेवी कास्टिंग्स एंड फोर्जिंग्स इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसिपिटेटर, आईडी/एफडी फैन, सीमलेस पाइप इत्यादि जैसे प्रमुख पूंजीगत उपस्कर और प्रणालियों का विनिर्माण एवं आपूर्ति करता है । बीएचईएल विभिन्न विद्युत संयंत्रों एवं उद्योगों के लिए नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन प्रणालियों, विशेषतः डिस्ट्रिब्यूटेड डिजिटल कंट्रोल सिस्टम्स के प्रमुख आपूर्तिकर्त्ता के रूप में भी उभरा है।

परिवहन

भारतीय रेलवे की अधिकतर रेलें, चाहे वे विद्युत से चलने वाली हैं, बीएचईएल के ट्रैक्शन प्रोपल्सन सिस्टम एंड कंट्रोल्स से युक्त हैं। आपूर्त की गई प्रणालियां पारम्परिक डीसी तथा नवीनतम एसी, दोनों प्रकार से प्रचालित हैं। कोलकत्ता में भारत की प्रथम भूमिगत मेट्रो बीएचईएल द्वारा आपूर्त किए गए ड्राइव्ज और कंट्रोल्स के माध्यम से दौड़ती है। कंपनी सम्पूर्ण रोलिंग स्टॉक अर्थात मुख्य लाइन तथा शंटिंग ड्यूटी उपयोगी दोनों के लिए 5000 एचपी तक के विद्युत इंजन और 350 एचपी से 3100 एचपी के डीजल विद्युत इंजनों का विनिर्माण भी करती है। बीएचईएल रोलिंग स्टॉक के रिट्रोफिटिंग का कार्य भी करता है। शहरी परिवहन के क्षेत्र में बीएचईएल इलेक्ट्रिक ट्रोली बस सिस्टम्स, लाइन रेल सिस्टम्स एवं मेट्रो सिस्टम्स के टर्न–की निष्पादन के लिए तैयार है। बीएचईएल भारतीय रेलवे को 1500 वीडीसी एवं 25 केवीएसी के लिए ईएमयूज़ हेतु विद्युत प्रणालियों की आपूर्ति

में सहयोग कर रहा है। अधिकांश सभी सेवारत ईएमयूज़ बीएचईएल द्वारा विनिर्मित एवं आपूर्त की गई विद्युत प्रणालियों से सुसज्जित हैं। बीएचईएल भारतीय रेलवे के लिए ट्रैक अनुरक्षण के क्षेत्र में भी अग्रसर हुआ है ।

नवीकरण योग्य ऊर्जा

बीएचईएल नवीकरण योग्य ऊर्जा की अनेक प्रणालियों और उत्पादों का विनिर्माण और उनकी आपूर्ति कर रहा है। इसमे पीवी मॉडयूल्स, पीवी विद्युत संयंत्र, सोलर लालटेनें, स्ट्रीट लाइटिंग, सोलर पम्प और सोलर वाटर हीटिंग सिस्टम्स जैसी सौर ऊर्जा प्रणालियां शामिल हैं। बड़ी संख्याा में छोटे हाइड्रो भी पूरे किए गए हैं। विंड पावर जेनरेशन आदि जैसे नए क्षेत्रों में कार्य आरंभ करने की संभावनाएं भी तलाशी जा रहीं हैं।

दूरस्थ क्षेत्रों में विकास हेतु राष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे प्रयासों के अनुसार बीएचईएल ने सुंदरबंस (पश्चिम बंगाल) में 2x110 के डब्ल्यूपी और 1x55 के डब्ल्यूपी क्षमताओं के तीन स्टैन्ड अलोन सोलर फोटोवोल्टाइक्स (एसपीवी) विद्युत संयंत्र स्थापित किए हैं, जिनका उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम द्वारा किया गया था। भारत का 50 डब्ल्यूपी का विशालतम सोलर डीजल हाइब्रिड विद्युत संयंत्र लक्षद्वीप में स्थापित किया गया था।बीएचईएल द्वारा कृषि उपयोगों के लिए पंजाब में 2 एचपी क्षमता की सोलर पॉवर्ड वाटर पम्पिंग प्रणालियों के 150 सेटों की आपूर्ति भी की गई है।

तेल एवं गैस

बीएचईएल ओएनजीसी, ऑयल इंडिया और निजी ड्रिलिंग कंपनियों को ड्रा वर्क्स, रोटरी टेबल, ट्रैवलिंग ब्लॉक, स्विवेल, मास्ट एंड सब –स्ट्रक्चर, मड सिस्टम्स एवं रिंग इलेक्ट्रिक्स तथा एक्समस ट्री और वॉल्व्ज़ और वेल हेड्स जैसे 10,000 पीएसआई क्षमता के ऑन–शोर ड्रिलिंग रिग्स के उपस्करों की आपूर्ति कर रहा है। बीएचईएल ने ऑफ–शोर उपयोग के लिए ओएनजीसी को केसिंग सपोर्ट सिस्टम, मडलाइन सस्पेंशन सिस्टम और ब्लॉक वॉल्व्ज़ की आपूर्ति भी की है। इसके पास सम्पूर्ण शोर ड्रिलिंग रिग्स, सुपर डीप ड्रिलिंग रिग्स, डेजर्ट रिग्स, मोबाइल रिग्स, वर्क–ओवर रिग्स और सब–सी वैल हेड्स की आपूर्ति करने की क्षमता भी है। इस समय, बीएचईएल ऑन–शोर रिग्स के रीफर्बिशमेंट और अपग्रेडेशन के लिए ओएनजीसी और ऑयल इंडिया से प्राप्त ऑडरों का निष्पादन कर रहा है।

पारेषण

बीएचईएल पारेषण और वितरण उपयोगों के लिए व्यापक श्रेणी के उत्पादों और प्रणालियों की आपूर्ति करता है। बीएचईएल द्वारा विनिर्मित उत्पादों में विद्युत ट्रांसफॉर्मरों, इंस्ट्रूमेंट ट्रांसफॉर्मर, ड्राई टाइप ट्रांसफॉर्मर, शंट रिएक्टर, कैपेसिटर वैक्यूम एंड एसएफ 6 स्विचगियर, गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन (जीआईएस) का विकास और उसका व्यवसाय किया तथा 145 के.पी.के जीआईएस का विकास भी किया, जिसके हैदराबाद में सफल फील्ड परीक्षण किए गए।

400 के.वी लाइनों में विद्युत अंतरण क्षमता को बढ़ाने और पारेषण हानियों को कम करने के लिए बीएचईएल ने फिक्स्ड सीरीज कम्पेन्सेशन स्कीम्स का घरेलू स्तर पर विकास और निष्पादन किया है तथा थाईरिस्टर नियंत्रित रिएक्टरों को शामिल करते हुए थाइरिएक्टर कंट्रोल्ड सीरीज कम्पेन्सेशन स्कीम का विकास किया है, जो कि फ्लैक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम (एफएसीटीएस) के रूप में जाना जाता है। बीएचईएल ने लम्बी पारेषण के प्रति प्रतिकियाशील विद्युत प्रबंधन हेतु घरेलू स्तर पर नवीनतम कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर विकसित किया है।सुदृढ़ इंजीनियरिंग आधार के साथ कंपनी 400 के.वी. तक के सब स्टेशनों का टर्न की निष्पादन कार्य करती है तथा 765 के.वी. सब स्टेशनों के निष्पादन की क्षमता रखती है। लम्बी दूरियों तक अधिक मात्रा में विद्युत के किफायती पारेषण हेतु हाई वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एचवीडीसी) प्रणालियों की आपूर्ति की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय

बीएचईएल ने गत वर्षों में सभी बसे हुए महाद्वीपों के 65 से भी अधिक देशों में अपनी पहचान स्थापित की है। इन क्षमताओं में कम्पनी की सम्पूर्ण उत्पाद श्रेणी एवं सेवायें शामिल हैं, जिसमें थर्मल, हाइड्रो एवं गैस–आधारित टर्न–की आधार पर पावर परियोजनाओं, सब–स्टेशन परियोजनाओं, परियोजनाओं की पुनः स्थापना के अलावा विस्तृत श्रृंखला के उत्पाद जैसे ट्रांसफॉमर्स, कम्प्रेसर्स, वॉल्व्ज़ एण्ड ऑयल फील्ड इक्विपमेंट, इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रेसीपिटेटर्स, फोटोवोलटायिक इक्विपमेंट, इंसुलेटर्स, हीट एक्सचेंजर्स, स्विचगियर्स, कास्टिंग एण्ड फोर्जिंग आदि है। कम्पनी द्वारा प्राप्त कुछ बड़ी सफलताओं में ओमान, लीबिया, मलेशिया, सउदी अरब, इराक, बांग्लादेश, श्रीलंका, चीन, कजाकिस्तान से प्राप्त गैस आधारित पावर परियोजनाओं; लीबिया, साइप्रस, माल्टा, मिस्र, इन्डोनेशिया, थाइलैंड, मलेशिया, सुडान से प्राप्त थर्मल परियोजनाओं, न्यूजीलैंड, मलेशिया, अजरबेजान, भूटान, नेपाल, ताइवान, थाइलैंड, अफगानिस्तान से प्राप्त सब–स्टेशन प्रोजेक्ट व इक्विपमेंट के ऑर्डर शामिल हैं।विदेशों में परियोजनाओं के निष्पादन से बीएचईएल का विश्वविख्यात सलाहकार संगठनों और निरीक्षण एजेसियों से भी अनुभव प्राप्त हुआ है।

कम्पनी अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में जटिल कार्यों तथा प्रौद्यागिक गुणवत्ता एवं अन्य जरूरतों जैसे –एचएसई आवश्यकता, संबंधित ओएण्डएम सेवायें आदि के रूप में ग्राहकों की वांछित आवश्यकताओं को पूरा करने में सफल रही है। बीएचईएल ने फास्ट ट्रैक आधार पर परियोजनाओं को पूरा करने की क्षमता को सिद्ध किया है ।बीएचईएल ने कैप्टिव पावर, यूटिलिटी पावर जेनरेशन या तेल क्षेत्रों जैसे अन्य विभागों की आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सफलतापूर्वक अपना वर्चस्व स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त बीएचईएल ने टर्न–की आधार पर परियोजनाओं के निष्पादन के अलावा अनेक अन्तर्राष्ट्रीय कम्पनियों की बड़ी परियोजनाओं हेतु पूरक उपकरणों का विनिर्माण कर आपूर्ति तथा सहायक उपकरणों द्वारा उनकी मांग को पूरा किया।

विदेशी व्यवसाय की और अधिक उन्नति हेतु बीएचईएल ने व्यापारिक नीतिगत पहलों को अपनाया है। इनमें विदेशी निर्यात बाजारों में स्वयं को स्थापित करना, विश्वव्यापी मार्किट में यूटिलिटी तथा आईपीपी सेगमेंट में बीएचईएल को रेगूलर ईपीसी कॉन्ट्रेक्टर के स्थान पर लाना और विदेशी संयुक्त उद्यम की स्थापना हेतु विभिन्न अवसरों का अन्वेषण।

प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण और अनुसंधान एवं विकास

प्रतिस्पर्धा में बने रहने और ग्राहकों की अपेक्षाओं को पूरा करने हेतु कंपनी अपने उत्पादों व संबंधित प्रौद्योगिकियों में निरंतर सुधार और नये उत्पादों के विकास पर अत्यधिक बल दे रही है। कंपनी ने निरंतर स्वदेशी प्रयास और विश्व के प्रमुख इंजीनयरिंग संगठनों से प्रौद्योगिकी प्राप्त कर अपने उत्पादों में सुधार करके उन्हें अद्यतन बनाया है।

140 एकड़ के क्षेत्र में फैला कंपनी का हैदराबाद स्थित अनुसंधान एवं विकास डिवीजन बीएचईएल के अनेक महत्वपूर्ण उत्पाद क्षेत्र में अनुसंधान कार्य कर रहा है। कंपनी की प्रत्येक निर्माण इकाई में स्थापित अनुसंधान एवं विकास केन्द्र इसमें सराहनीय योगदान प्रदान कर रहा है। सिमुलेटर्स, कम्प्यूटेशनल फ्ल्यूड डायनामिक्स और परमानेंट मैग्नेट मशीनों की स्थापना के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की गई है।

अनुसंधान एवं विकास कार्य में बीएचईएल का निवेश भारत के कॉर्पोरेट क्षेत्र के सबसे बड़े निवेशों में से एक है। गत पांच वर्षों के दौरान कंपनी में ही विकसित किये गये उत्पाद वर्ष 2005–2006 के कुल राजस्व का लगभग 8% रहे।

बीएचईएल ने हाल ही में स्वदेशी स्तर पर कुछ नए उत्पाद तैयार किए है, जिनमें अब तक आपूर्त किए जाने वाले अधिकतम 40 मे. वा. के स्थान पर विद्युत उत्पादन हेतु 6 मे. वा. काब्लिंग फ्ल्यूडाइज्ड बेड कम्बश्चन बॉयलर कम्बाइंड साइकल विद्युत संयंत्रों के लिए डिज़ाइन किए गए 260 मे. वा. की स्टीम टरबाईन, कायेले पर आधारित ताप विद्युत संयंत्र से एनओएक्स को कम करने हेतु बाइपास ऑवर फायर एयर (बीओएफए), उच्च दक्षता वाली फ्रांसिस एंड पेल्ट्रॉन हाइड्रो टरबाइनें, नया एलपी टरबाइन वेरियंट जिसे 210 मे. वा. के पुराने रसियन (एल एम डब्ल्यू) थर्मल सेटों में रिट्रोफिट किया जा सकता है, भारतीय सेना की भण्डारण एवं मालसूची प्रबंध प्रणाली के लिए ऑटोमेटिक स्टोरेज एंड रिट्रिवल सिस्टम (एएसआरएस), उच्च दक्षता के बहु–जंक्शन सोलर सेलों से बने 5500 वाट आउटपुट वाले सोलर पेनल, इन्सेट 4 ए के लिए सेटेलाइट बैटरियां, कंट्रोल्ड शंट रिएक्टर (सीएसआर), फ्लेक्सिबल एसी ट्रांसमिशन सिस्टम (एफएसीटीएस), एसटीएसी ओएम, फेज़ शिफ्टिंग ट्रांसफॉर्मर (पीएसटी), 145 के.वी. गैस स्विचगियर (जीआईएस), माइक्रो कन्ट्रोलर आधारित स्कैन और निष्पादन विश्लेषण पावर प्लांटो के लिए डायग्नॉस्टिक्स तथा ऑप्टिमाइजेशन (पीएडीओ) पैकेज, 91 टन बीएचईएल 280 बाउल मिल इत्यादि शामिल हैं।

कंपनी डिस्ट्रिब्यूटेड एन्वायर्नमेन्ट–फ्रेंडली पावर जेनरेशन हेतु फ्यूल सेल, क्लीन कोल टेक्नॉलॉजी एप्लिकेशन्स, ट्रांसफॉमरों, मोटरों आदि में सुपर कंडक्टिविटी एप्लिकेशन्स तथा इंसुलेटरों और मेम्ब्रेन फिल्टरों के लिए नैनो टेक्नॉलॉजी एप्लिकेशन्स जैसे भावी क्षेत्रों में अनुसंधान में व्यस्त है।

मानव संसाधन विकास संस्थान

नोएडा में स्थित कंपनी का मानव संसाधन विकास संस्थान, जो बीएचईएल के शिक्षण ढांचे की आधारशिला है, हैदराबाद स्थित उच्च तकनीकी शिक्षा केन्द्र (एटीईसी) व यूनिटों में स्थित मानव संसाधन विकास केन्द्र के सहयोग से संगठनात्मक विकास के विभिन्न प्रयासों से यह सुनिश्चित करता है कि संगठन का मुख्य संसाधन–मानव पूंजी, शीघ्रता से परिपर्तित होते वातावरण की वजह से उत्पन्न होने वाली सक्रिय चुनौतियों का सामना करने के लिए "सदैव तत्परता की अवस्था" में है। मानव संसाधन विकास क्रियाओं को सक्रिय भागीदार बनाने हेतु रणनीतिक स्तर तक ले जाने के लिए उनका यह निरंतर प्रयास रहा है कि वह संगठनात्मक लक्ष्य को पाने में सक्षम हो।

मानव संसाधन विकास केन्द्रों एवं उच्च तकनीकी शिक्षा केन्द्र के साथ मानव संसाधन विकास संस्थान की पोल स्टार स्टेटमेंट "ऐसे वातावरण का निर्माण करना, जो कर्मचारियों की संपूर्ण क्षमता के उभरने में सहायक हो" के अनुसार क्रमिक दीर्घावधि प्रशिक्षण प्रक्रिया तथा आवश्यकतानुसार अल्पावधि कार्यक्रमों के माध्यम से, जो संगठन के गहन अनुसंधान पर आधारित है, अपने मानव संसाधन की प्रतिभा का पता लगाने तथा उसे उभारने में समर्थ बनाता है।

भविष्य में, मानव संसाधन विकास संस्थान की निम्नलिखित भूमिका होगी :

● क्षमता वृद्धि ● प्रशिक्षण को मुख्य शिक्षण का माध्यम बनाना–प्रशिक्षण प्रभावकारिता में वृद्धि ● नीति, योजना एवं प्रणाली विकास ● परामर्श देना, अनुसंधान एवं प्रकाशन ● विकासशील व्यवसाय में साझेदार ● संस्कृति निर्माण ● प्रबंधन में परिवर्तन करना ● अति सक्रिय छवि निर्माण ● मानव संसाधन विकास केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना ● राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ संपर्क स्थापित करना ● सूचना प्रौद्योगिकी–वैकल्पिक शिक्षण दृष्टिकोण ● संस्था निर्माण

मानव संसाधन विकास संस्थान इस भूमिका के निर्वाह हेतु स्वयं को पुनः व्यवस्थित कर रहा है।

स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबन्ध

मनुष्य और पर्यावरण के बीच मैत्री स्वस्थ जीवन और विकास का मूल तत्व है। इसलिए, बीएचईएल के लिए पर्यावरण संतुलन और प्राचीन वातावरण का अनुरक्षण अत्यधिक महत्व का है। बीएचईएल में कंपनी के विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण मुख्य गतिविधि है।

बीएचईएल अपने सभी पणधारियों (स्टेकहोल्डरों) को कार्य के लिए सुरक्षित एवं उपयुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के साथ

अपनी सभी गतिविधियो, उत्पादों और सेवाओं के क्षेत्रों में पर्यावरण हितैषी कंपनी होने के लिए प्रतिबद्ध है। वास्तव में, यह पहलू कंपनी के व्यावसायिक निष्पादन का एक अभिन्न अंग बना हुआ है।

निरंतर विकास के लिए अपनी प्रतिबद्धता के कारण बीएचईएल ने अपनी स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण नीति को समेकित किया है और उसे व्यावसायिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पर ओएचएसएएस–18000, तथा पर्यावरण प्रबंधन प्रणालियों पर आईएसओ–14000 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों की प्रबंधन प्रणालियों के माध्यम से उसे कार्यान्वित किया है। उद्योग क्षेत्र कार्यालय कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली सहित बीएचईएल की सभी यूनिटों/क्षेत्रीय कार्यालयों को कठिन लेखा परीक्षाओं के बाद उन मानकों की मान्यता प्राप्त हुई है। नोएडा स्थित बीएचईएल के पहले टाउनशिप को इन मानकों के बाद प्रमाणित किया गया है। विश्वस्तरीय संगठन बनने के अपने प्रयत्न में बीएचईएल पर्यावरण, व्यावसायिक स्वाथ्य एवं सुरक्षा से सर्वाधिक उठते हुए वैश्विक मुद्दों से सरोकार रखता है और अपने कार्य क्षेत्रों से होने वाले पर्यावरण प्रभाव को न्यूनतम कर रहा है तथा निम्नलिखित के माध्यम से प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण कर रहा है :

- उपयुक्त कानूनों/विनियमों का अनुपालन करना।
- व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण प्रबन्धन प्रणाली निष्पादन में लगातार सुधार।
- पर्यावरण प्रबन्धन द्वारा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों में सुधार।
- अनुकूल संचार एवं प्रशिक्षण द्वारा कर्मचारियों, ग्राहकों एवं सप्लायरों में पर्यावरण सुरक्षा एवं व्यावसायिक स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता।
- व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पर्यावरण प्रबन्धन प्रणाली का इनकी उपयोगिता, उपयुक्तता एवं इन्हें अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु समय–समय पर इन प्रणालियों की समीक्षा।
- इस नीति से सभी कर्मचारियों और इच्छुक पार्टियों को अवगत कराना।
- व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण गतिविधियों में कार्यरत सरकारी एजेन्सियों/नियंत्रित निकायों के साथ समन्वय स्थापित करना।

इस नीति की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए, बीएचईएल उन्नतिशील प्रौद्योगिकियों को ग्रहण करते हुए, नयी सूझ–बूझ के साथ व्यावसायिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण विज्ञान के साथ लगातार अपनी प्रणाली में सुधार करने का प्रयास करेगा।

संयुक्त राष्ट्र संघ के ग्लोबल कॉम्पैक्ट में भागीदारी

कंपनी संयुक्त राष्ट्र संघ के ग्लोबल कॉम्पैक्ट कार्यक्रम के लिए प्रतिबद्ध है तथ इसके प्रमुख मूल्यों में 10 सिद्धांत शामिल हैं। यह अपने पहुंच के अंदर ग्लोबल कॉम्पैक्ट सिद्धांतो को आगे बढ़ाने की इच्छा रखती है और इसे अपनी रणनीति, संस्कृति तथा दैनिक कार्यो का हिस्सा बनाया है।

ग्लोबल कॉम्पैक्ट संयुक्त राष्ट्रों, व्यावसायिक समुदाय, अन्तर्राष्ट्रीय श्रम और गैर–सरकारी संगठनों के बीच भागीदारी है। यह ऐसा मंच है, जिसके अंतर्गत ये संगठन साथ–साथ कार्य करते हैं और कॉर्पोरेट प्रणालियों को प्रतिस्पर्धा के बजाए सहयोग से बेहतर बनाते है।

मानव अधिकारों, श्रम मानकों, पर्यावरण और भ्रष्टाचार नियंत्रण के संबध में सयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल कॉम्पैक्ट के निम्नलिखित 10 सिद्धांत हैः

मानवाधिकार

1. व्यवसाय में, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर घोषित मानवाधिकारों की रक्षा के प्रति समर्थन और सम्मान होना चाहिए।
2. यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि व्यवसाय में मानवाधिकारों का दुरूपयोग न हो।

श्रम संबंधी मानक

3. व्यवसाय में साझेदारी की स्वतंत्रता होनी चाहिए और सामूहिक रूप से विचार–विमर्श करने के अधिकार को मान्यता होनी चाहिए।
4. सभी प्रकार के बेगारी और बाध्यकारी श्रम समाप्त किए जाएं।
5. बाल श्रम का उन्मूलन
6. भेदभाव को दूर करना

पर्यावरण

7. व्यवसाय में, पर्यावरण संबंधी चुनौतियों के प्रति एहतियातपूर्ण दृष्टिकोण अपनाया जाए।
8. पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के लिए पहल करना।
9. पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों के विकास और विस्तार को बढ़ावा देना।

भ्रष्टाचार निरोध

10. व्यापार, लूट–खसोट एवं घूस–खोरी सहित सभी प्रकार के भ्रष्टाचार से मुक्त हो।